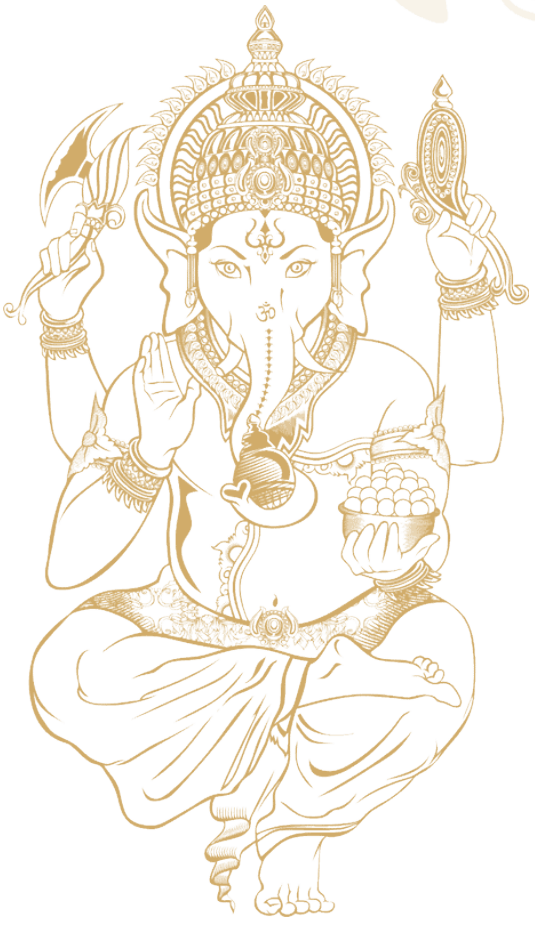

Aditi Thakur

01 Jun 2018

06:14 PM

Mandi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121394603

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**01/06/2018**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**18:14:00 घंटे**
इष्ट	32:19:57 घटी
स्थान	**Mandi**
राज्य	Himachal Pradesh
देश	India

अक्षांश	31:43:00 उत्तर
रेखांश	76:55:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:51:40 घंटे
वेलान्तर	00:02:11 घंटे
साम्पातिक काल	10:31:29 घंटे
सूर्योदय	05:18:01 घंटे
सूर्यास्त	19:22:30 घंटे
दिनमान	14:04:30 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	16:52:10 वृष
लग्न के अंश	03:19:53 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 2**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	शुभ
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	धा-धारिणी
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	03:19:53	301:54:26	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
सूर्य			वृष	16:52:10	00:57:29	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	19:27:35	11:52:01	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	सम राशि
मंगल			मक	11:23:51	00:16:34	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	उच्च राशि
बुध		अ	वृष	11:16:53	02:09:10	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	मंगल	मित्र राशि
गुरु	व		तुला	21:25:47	00:06:17	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मिथु	21:20:11	01:10:58	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	मित्र राशि
शनि	व		धनु	13:33:15	00:03:41	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	सम राशि
राहु	व		कर्क	13:05:07	00:03:57	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		मक	13:05:07	00:03:57	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
हर्ष			मेष	06:44:23	00:02:49	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	राहु	---
नेप			कुंभ	22:17:56	00:00:34	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	---
प्लूटो	व		धनु	26:48:41	00:01:02	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	---
दशम भाव			सिंह	11:59:03	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:06:37

लग्न-चलित

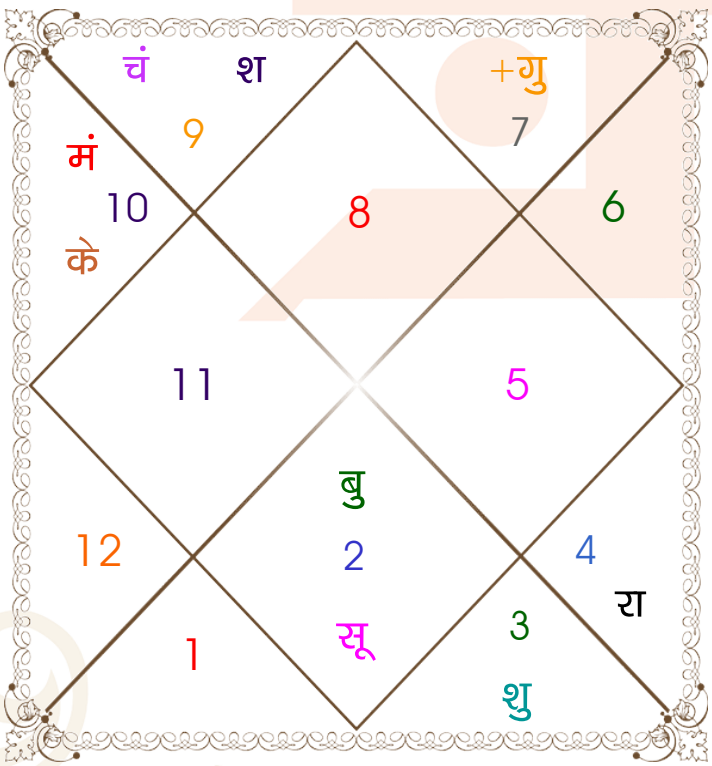

चन्द्र कुंडली

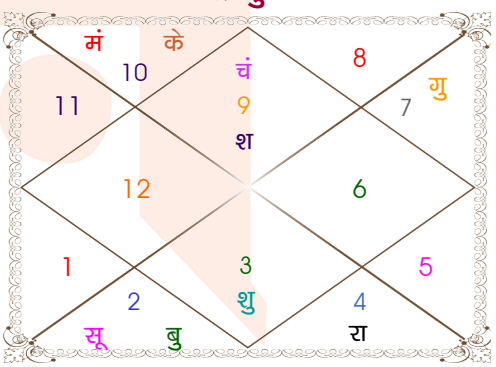

नवमांश कुंडली

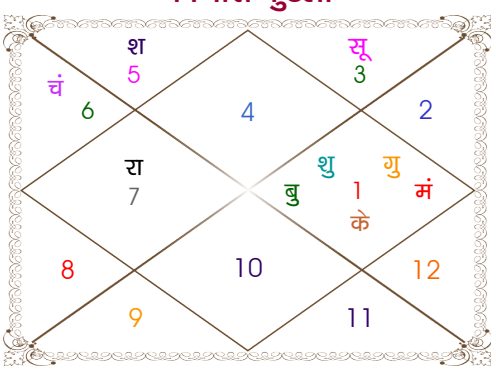

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 10 वर्ष 9 मास 22 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
01/06/2018		24/03/2029		24/03/2035		24/03/2045		24/03/2052	
24/03/2029		24/03/2035		24/03/2045		24/03/2052		24/03/2070	
	00/00/0000	सूर्य	11/07/2029	चंद्र	23/01/2036	मंगल	20/08/2045	राहु	05/12/2054
	00/00/0000	चंद्र	10/01/2030	मंगल	23/08/2036	राहु	07/09/2046	गुरु	29/04/2057
	00/00/0000	मंगल	18/05/2030	राहु	22/02/2038	गुरु	14/08/2047	शनि	05/03/2060
	01/06/2018	राहु	12/04/2031	गुरु	24/06/2039	शनि	22/09/2048	बुध	23/09/2062
राहु	24/05/2019	गुरु	29/01/2032	शनि	22/01/2041	बुध	19/09/2049	केतु	11/10/2063
गुरु	22/01/2022	शनि	10/01/2033	बुध	23/06/2042	केतु	16/02/2050	शुक्र	11/10/2066
शनि	24/03/2025	बुध	16/11/2033	केतु	22/01/2043	शुक्र	18/04/2051	सूर्य	05/09/2067
बुध	23/01/2028	केतु	24/03/2034	शुक्र	22/09/2044	सूर्य	23/08/2051	चंद्र	06/03/2069
केतु	24/03/2029	शुक्र	24/03/2035	सूर्य	24/03/2045	चंद्र	24/03/2052	मंगल	24/03/2070

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
24/03/2070		24/03/2086		25/03/2105		25/03/2122		25/03/2129	
24/03/2086		25/03/2105		25/03/2122		25/03/2129		00/00/0000	
गुरु	11/05/2072	शनि	27/03/2089	बुध	21/08/2107	केतु	21/08/2122	शुक्र	24/07/2132
शनि	23/11/2074	बुध	05/12/2091	केतु	18/08/2108	शुक्र	21/10/2123	सूर्य	25/07/2133
बुध	27/02/2077	केतु	13/01/2093	शुक्र	19/06/2111	सूर्य	26/02/2124	चंद्र	25/03/2135
केतु	03/02/2078	शुक्र	14/03/2096	सूर्य	24/04/2112	चंद्र	26/09/2124	मंगल	24/05/2136
शुक्र	04/10/2080	सूर्य	24/02/2097	चंद्र	23/09/2113	मंगल	22/02/2125	राहु	02/06/2138
सूर्य	24/07/2081	चंद्र	26/09/2098	मंगल	21/09/2114	राहु	13/03/2126		00/00/0000
चंद्र	23/11/2082	मंगल	05/11/2099	राहु	09/04/2117	गुरु	17/02/2127		00/00/0000
मंगल	29/10/2083	राहु	11/09/2102	गुरु	16/07/2119	शनि	28/03/2128		00/00/0000
राहु	24/03/2086	गुरु	25/03/2105	शनि	25/03/2122	बुध	25/03/2129		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 10 वर्ष 9 मा 30 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकती हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकती हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगी जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखती हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझती हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगी। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगी। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगी। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करती रही तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करती हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहती है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपने पति के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगी। यद्यपि आप अपने पति के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगी। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगी। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करती हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन साथी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों का लड़का आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगा।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगी। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहती हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करती हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होती हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटी हो जाएंगी। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति की होंगी।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगी। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकती हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।